



P.V.G.'s
Mukhtangan English School & Jr. College,
44, Vidyanagari, Parvati, Pune - 411009.

Terminal Examination (2025-26)
Standard - IX

Subject : Hindi (Composite)

Marks : 40

Date : 09 | 10 | 2025

Time : 8 am to 10.00 am

- सूचनाएँ १) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य की आकलन कृतियाँ में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।
२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें ।
३) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियाँ की आवश्यकता नहीं हैं ।
४) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

विभाग १ – गद्य : 12 अंक

कृति 1 अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

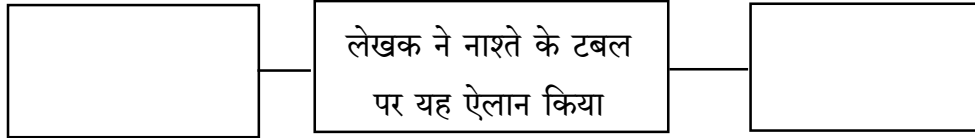
हर रोज की तरह सुबह साढ़े नौ बजे आँखें खुली । नाश्ते की टेबल पर मैंने ऐलान किया- 'सुन लो कान खोलकर-पाँव की मोच ठीक होते ही मैं मोटापे के खिलाफ लड़ाई शुरू करूँगा: खाना बंद, दौड़ना और कसरत चालू ।' किसी पर मेरी धमकी का असर न हुआ । पत्नी ने तीसरी बार हलवे से पूरा प्लेट भरते हुए कहा- 'घर में परहेज करते हो तो होटल में डटा लेते हो ।' मैंने कहा- 'इस बार मैंने संकल्प किया है । जिस तरह ऋषि सिर्फ हवा-पानी से रहते हैं उसी तरह मैं भी रहूँगा ।' पत्नी ने मुस्कुराते हुए कहा- 'खैर, जब तक मोच है तब तक खाओगे न?' मैंने चौथी बार हलवा लेते हुए कहा- 'छोड़ने के पहले मैं भोजनानंद को चरम सीमा पर पहुँचा देना चाहता हूँ । इतना खा लूँ कि खाने की इच्छा ही न रह जाए । यह वाममार्गी कायदा है ।' उस रात नींद में मैंने पता नहीं कितने जोर से टेबल में ठोकर मारी थी कि पाँच महीने बीत गए पर मोच ठीक नहीं हुई । यों चलने-फिरने में कोई कष्ट न था मगर ज्यों ही खाना कम करने या व्यायाम करने का विचार मन में आता. बाएँ पैर के अँगूठे में टीस उठने लगती ।

एक दिन रिक्शे पर बाजार जा रहा था । देखा, फुटपाथ पर एक बूढ़ा वजन की मशीन सामने रखे, घंटी बजाकर लोगों का ध्यान आकृष्ट कर रहा है । रिक्शा रोककर ज्यों ही मैंने मशीन पर एक पाँव रखा, तोल का काँटा पूरा चक्कर लगा कर अंतिम सीमा पर थरथराने लगा । मानो अपमानित कर रहा हो । बूढ़ा आतंकित होकर हाथ जोड़कर खड़ा हो गया । बोला- 'दूसरा पाँव न रखिएगा महाराज! इसी मशीन से पूरे परिवार की रोजी चलती है । आसपास के राहगीर हँस पड़े । मैंने पाँव पीछे खींच लिया ।'

मैंने मन से बिगड़कर कहा- 'मन साहब, सारी शरारत तुम्हारी है । तुममें दृढ़ता है ही नहीं ।

तुम साथ देते तो मोटापा दूर करने का मेरा संकल्प अधूरा न रहता ।’ मन ने कहा- ‘भाई जी, मन तो शरीर के अनुसार होता है । मुझमें तुम दृढ़ता की आशा ही क्यों करते हो?’

१) i) आकृति पूर्ण कीजिए । (1)



ii) परिच्छेद में आए शब्द युग्म ढूँढकर लिखिए । (1)

१)	
२)	

२ ii) परिच्छेद में आए प्रत्यययुक्त शब्द ढूँढकर लिखिए । (1)

१)	२)
--	--

२ ii) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए । (1)

- १) मशीन -
- २) परिवार -

3) स्वमत - (2)

‘मान जा मेरे मन’ पाठ से मिलनेवाली सीख ६-८ पंक्तियों में लिखिए ।

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

कोलकाता के सुरम्य बोटैनिकल उद्यान में लाल कमलिनी से भरी हुई एक छोटी-सी मनोहर झील के किनारे घने वृक्षों की छाया में अपनी मंडली के साथ बैठा हुआ मैं जलपान कर रहा था । बातें हो रही थीं । इतने में वही छोटा जादूगर दिखाई पड़ा । हाथ में चारखाने की खादी का झोला । साफ जांघिया और आधी बाँहों का कुरता । सिर पर मेरा रूमाल सूत की रस्सी में बंधा हुआ था । मस्तानी चाल से झूमता हुआ आकर कहने लगा - “बाबू जी नमस्ते ! आज कहिए, तो खेल दिखाऊँ ।”

“नहीं जी, अभी हम लोक जलपान कर रहे हैं ।”

“फिर इसके बाद क्या गाना-बजाना होगा, बाबू जी?”

“नहीं जी-तुमको...,” क्रोध से मैं कुछ और कहने जा रहा था, श्रीमती ने कहा- “दिखाओ जी, तुम तो अच्छे आए । भला, कुछ मन तो बहले ।” मैं चुप हो गया क्योंकि श्रीमती की वाणी में वह

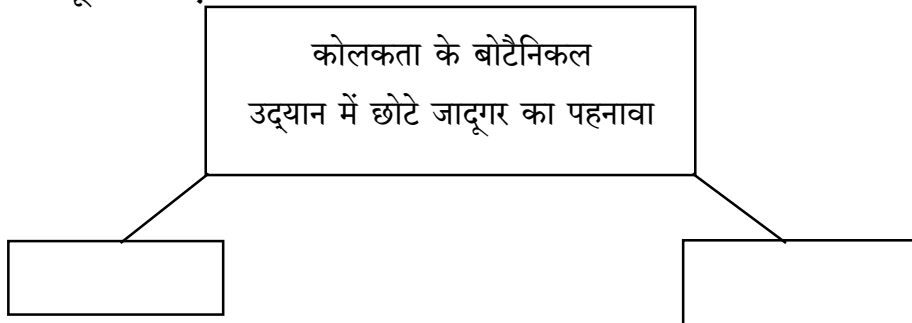
माँ की-सी मिठास थी, जिसके सामने किसी भी लड़के को रोका नहीं जा सकता। उसने खेल आरंभ किया। उस दिन कॉर्निवाल के सब खिलौने खेल में अपना अभिनय करने लगे। भालू मनाने लगा। बिल्ली रूठने लगी। बंदर घुड़कने लगा। गुड़िया का ब्याह हुआ। गुड़ड़ा वर सयाना निकला। लड़के की वाचालता से ही अभिनय हो रहा था। सब हँसते-हँसते लोटपोट हो गए।

मैं सोच रहा था ‘बालक को आवश्यकता ने कितना शीघ्र चतुर बना दिया। यही तो संसार है।’

ताश के सब पत्ते लाल हो गए। फिर सब काले हो गए। गले की सूत की डोरी टुकड़े-टुकड़े होकर जुट गई। लट्टू अपने से नाच रहे थे। मैंने कहा- “अब हो चुका। अपना खेल बटोर लो, हम लोक भी अब जाएँगे।” श्रीमती ने धीर-से उसे एक रुपया दे दिया। वह उछल उठा। मैंने कहा- “लड़के।” “छोटा जादूगर कहिए। यही मेरा नाम है। इसी से मेरी जीविका है।” मैं कुछ बोलना ही चाहता था कि श्रीमती ने कहा- “अच्छा, तुम इस रुपये से क्या करोगे?” “पहले भर पेट पकौड़ी खाऊँगा। फिर एक सूती कंबल लूँगा।” मेरा क्रोध अब लौट आया। मैं अपने पर बहुत क्रुद्ध होकर सोचने लगा- ‘ओह! मैं कितना स्वार्थी हूँ। उसके एक रुपये पाने पर मैं ईर्ष्या करने लगा था।’ वह नमस्कार करके चला गया। हम लोक लता-कुंज देखने के लिए चले।

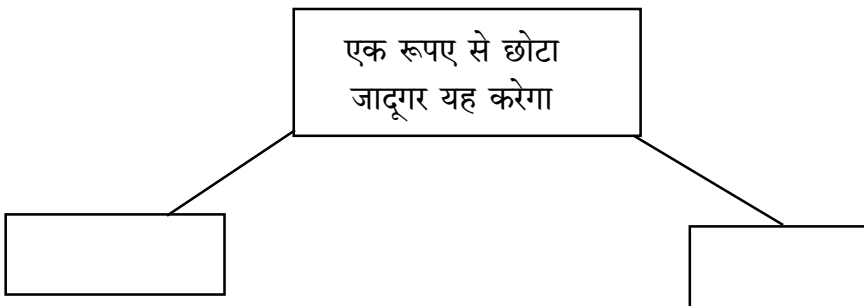
1) i) संजाल पूर्ण कीजिए।

(1)



ii)

(1)



२) i) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए।

(1)

१) जलपान -

२) ईर्ष्या -

ii) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए । (1)

१) श्रीमती -

२) बंदर -

३) स्वमत । (2)

‘जादू के खेल’ विषय पर अपने विचार ६-८ पंक्तियों में लिखिए ।

विभाग २ – पद्य : 8 अंक

कृति 2 अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

किताबें

करती हैं बातें

बीते जमानों की

आज की, कल की

एक-एक पल की

खुशियों की, गमों की

फूलों की, बमों की

जीत की, हार की

प्यार की, मार की ।

क्या तुम नहीं सुनोगे

इन किताबों की बातें?

किताबें कुछ कहना चाहती हैं

तुम्हारे पास रहना चाहती हैं

किताबों में चिड़ियाँ चहचहाती हैं

किताबों में खेतियाँ लहलहाची हैं

किताबों में झरने गुनगुनाते हैं

परियों के किस्से सुनाते हैं

किताबों में रॉकेट का राज है

किताबों में साइंस की आवाज है

किताबों का कितना बड़ा संसार है

किताबों में ज्ञान की भरमार है ।

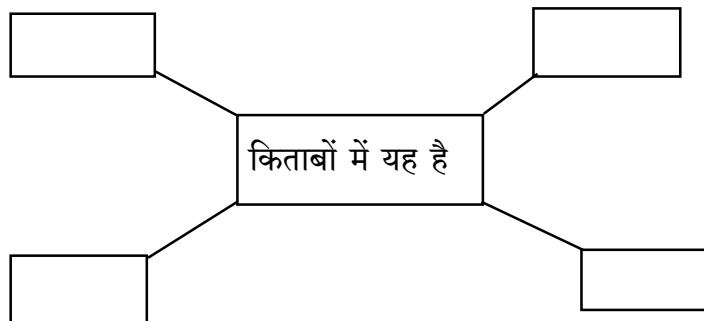
क्या तुम इस संसार में

नहीं जाना चाहोगे

किताबें कुछ कहना चाहती हैं
तुम्हारे पास रहना चाहती हैं ।

1) संजाल पूर्ण किजिए ।

(2)



२) स्वमत – उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ ६-८ पंक्तियों में लिखिए । (2)

आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

उजालों की आस तो जायज है,
पर अंधेरो को अपनाओ तो एक बार ।
बिन पानी के बंजर जमीन पे,
बरसाओ मेहनत की बूँदों की फुहार ॥
जिंदगी की बड़ी जरूरत है हार...!

जीत का आनंद भी तभी होगा,
जब हार की पीड़ा सही हो अपार ।
आँसू के बाद बिखरती मुस्कान,
और पतझड़ के बाद मजा देती है बहार ॥
जिंदगी की बड़ी जरूरत है हार...!

आभार प्रकट करो हर हार का,
जिसने जीवन को दिया सँवार ।
हर बार कुछ सिखाकर ही गई,
सबसे बड़ी गुरु है हार ॥
जिंदगी की बड़ी जरूरत है हार...!

१) कृति पूर्ण कीजिए ।

(1)

— कवि ये करने के लिए कहते हैं —

२) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए ।

(1)

१) बंजर ×

२) जीवन ×

3) स्वतम =

(2)

उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ ६-८ पंक्तियों में लिखिए ।

विभाग ३ – भाषा अध्ययन (व्याकरण) 8 अंक

कृति 3) सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

१) मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए ।

(1)

1) मुश्कील / मुश्किल / मुशकील =

२) परिचित / परीचित / परिचीत =

2) निम्नलिखित अव्ययों का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए । (कोई एक)

(1)

1) लेकिन

२) के नीचे

3) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर उनका सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

(2)

1) दंग रहना

२) तिलमिला उठना

4) १) निम्नलिखित वाक्यों का कालभेद पहचानकर लिखिए ।

(2)

1) मुझे अपने ऑफिस में समय से पहुँचना था ।

२) “अरे, इसमें बगलवाला मोती तो टूटा हुआ है ।”

२) निम्नलिखित वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए ।

(2)

1) छोटा जादूगर दिखाई दिया । (सामान्य भविष्यकाल)

२) कांति बाजार गई । (पूर्ण भूतकाल)

विभाग ४ – रचना विभाग (12 अंक)

कृति 4 सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

अ) 1) पत्र लेखन

(4)

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र लेखन कीजिए।

राम/रमा जोशी, कोथरूड, पुणे से प्राचार्य, साधना विद्यालय, पुणे को तीन दिन की छुट्टी की माँग करते हुए प्रार्थना पत्र लिखता / लिखती है।

अथवा

अमित / अमिता कुलकर्णी, सहकारनगर-१, पुणे से अपने दादाजी अमोल कुलकर्णी, 'राजमुद्रा सोसायटी, कोलहापुर को जन्मदिन की बधाई देते हुए पत्र लिखता / लिखती है।

२) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हो।

(4)

उन्नति के पथ पर चलने वाला छात्र प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व ही उठ बैठता है। नित्य कर्मों से निवृत्त होकर वह स्नान करता है। तत्पश्चात् भगवान से प्रार्थना करता है कि वे सदा उसका पथ प्रदर्शन करें। पूजन के बाद व्यायाम करना हर छात्र के लिए आवश्यक है। व्यायाम के बाद थोड़ा जलपान करना अत्यंत हितकर होता है। उसके बाद दैनिक समाचार-पत्र भी देखना चाहिए ताकि संसार, देश, नगर तथा पड़ोसी राज्यों की गतिविधि का परिचय हो जाए। इसका ज्ञान न होने से कभी-कभी बड़ी हानि होती है। समाचार पठन के पश्चात् विद्यार्थी अपने पाठ्य-विषय का अध्ययन करता है, उसपर विचार तथा नवीन अभ्यास का प्रयत्न करता है।

अथवा

निम्नलिखित कहावत के आधार पर एक रोचक कहानी लिखिए तथा उसे एक शीर्षक और सीख भी दीजिए।

“लालच बुरी बला है”

आ) निबंध लेखन –

(4)

निम्नलिखित किसी एक विषय पर ६० से ७० शब्दों में निबंध लिखिए।

१) हमारा नौकर

२) जीवन में व्यायाम का महत्त्व

३) 'मैं नदी बोल रही हूँ'

